उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय

सैफई, इटावा, उत्तर प्रदेश

राज निर्वाण बटी (आर.एन.बी.)

विश्व का प्रथम **एलोवैदिक** औषधी –

इस कोरोना वायरस महामारी में आशा की एक किरण!

आर.एन.बी. समकालिक आधुनिक एलोवैदिक मेडिसिन के सभी वैज्ञानिक मापदण्डों एवं सिद्धान्तों पर किये गये टेस्ट एवं रिसर्च में सफल पाया गया है (सभी घटकों के वैज्ञानिक प्रमाण सहित) इसलिये इसे '**एलोवैदिक' औषधी** की संज्ञा दी गयी है, जबकि इसमें आयुर्वेद के प्रमाणित घटकों का समिश्रण है।

आर.एन.बी. – वैज्ञानिक सफर

- ध्यान देने वाली बात यह है कि विश्व में कोरोना के इलाज के लिए अभी तक कोई भी दवा कारगर साबित नहीं हुई है।

- देश में कोविड–19 आने के साथ ही विश्वविद्यालय ने कोरोना के सम्बन्ध में रिसर्च करना शुरू कर दिया। इस बात का विशेष ध्यान दिया गया कि कोरोना शरीर के किन भागों पर अटैक करता है, इस प्राचीन चिकित्सा में कौन सी दवायें हैं जो इन जगहों को प्रोटैक्ट कर सकती है।

- इन शोध कार्यो में प्राचीन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति की उन दवाओं को छॉटा गया जो इन सिस्टम के लिए कारगर है। इसके पश्चात् उन प्राचीन दवाओं पर आधुनिक चिकित्सा में हुए शोधों को देखा गया।

- विश्वविद्यालय में कोविड–19 से सम्बन्धित 40 से अधिक शोध–पत्र जारी किये गये हैं तथा अधिकांश प्रकाशित भी हो गये हैं।

आर.एन.बी. – वैज्ञानिक सफर

प्रति बटी मुख्य घटक (प्रतिशत):

1. स्वर्ण भस्म–0.82 %
2. रजत भस्म–8.20 %
3. शुद्ध पारद–5.41 %
4. शुद्ध अन्धक–13.70 %
5. प्रवाल पिष्ठी (Coral Calcium) –20.32 %
6. हरताल भस्म (Arsenic trioxide) –2.05 %
7. मुर्दाशिंग (शोधित)–2.05 %
8. खर्पर भस्म (A zinc containing compound) –12.29 %
9. कालीमिर्च (Piper Nigrum) –13.70 %
10. मुक्ता पिष्ठी–2.73 %
11. निर्विषी–5.70 %
12. नागदमनी (Artemisia Nilagirica) –3.41 %
13. गोंद बबूल–9.62 %

आर.एन.बी. – वैज्ञानिक सफर

इन घटकों के पीछे तर्क:

स्थापित और सिद्धः

- इम्यून–मॉड्यूलेट्री एक्शन
- एंटी–इंफ्लेमेट्री एक्शन
- एंटी–वायरल एक्शन
- एंटी–बैक्टीरियल एक्शन
- ऊपरी और निचले श्वसन पथ पर एक्शन

आर.एन.बी.–सिंगल आर्म क्लीनिकल पॉयलट ट्रायल

ए प्रास्पैक्टिव, सिंगल–सेंटर, नॉन–रेन्डेमाइज्ड़, सिंगल–आर्म क्लिनिकल ट्रॉयल" आर.एन.बी (राज निर्वाण बटी) आयुर्वेदिक औषधी के शार्स कोव–2 बीमारी में प्रभाव के इवैल्यूवेशन हेतु एक अध्ययन" जून/जुलाई महीने में किया गया।

- इस क्लीनिकल ट्रायल के लिए **इथिकल कमेटी क्लीयरेन्स** प्रोटोकॉल के अनुसार ली गई थी; Ref No.1078/UPUMS/Dean (M) Ethical/2020- 21dated 19.06.2020

- हमारे देश में इस महामारी की तीब्र प्रगति को ध्यान में रखते हुए इस चिकित्सकीय परीक्षण के लिए **कोरोना कमेटी क्लीयरेन्स** भी ली गई थी।

- **क्लीनिकल ट्रायल डिटेल्स** (परीक्षण Ref.2020/05/033928) क्लीनिकल ट्रायल रजिस्ट्री–इंडिया को प्रस्तुत किए गए थे।

- **सी.टी.आर.आई. ट्रायल रजिस्ट्रेशन** (पंजीकरण संख्या– सी.टी.आर.आई./2020/06/025852) दिनांक 12.06.2020 को गाइडलाईन्स के अनुसार किया गया था।

आर.एन.बी.–सिंगल आर्म क्लीनिकल पॉयलट ट्रायल

- इस ट्रायल के सफल नतीजों एवं कोविड–19 मरीजों में सुरक्षित एवं प्रभावकारी भूमिकाओं पर **06 पब्लिकेशन** राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तक में भी इसका पूर्ण विवरण उपलब्ध है।

"कोविडोलॉजी साइन्सेज, इफ्रास्ट्रक्चर एण्ड मैनेजमेन्ट"

दिनांक 15, जुलाई 2020 को जारी एवं प्रकाशित

विश्व में अपनी तरह की प्रथम पुस्तक– कोविड–19 महामारी के खिलाफ मील का पत्थर है।

- यह पुस्तक विश्वविद्यालय के कोविड–19 अस्पताल में 300 से अधिक मरीजों के सफल प्रबन्धन, ईलाज के अनुभवों, शोध कार्यों एवं चिकित्सकीय प्रोटोकॉल्स पर आधारित है।

- यह पुस्तक कोविड के इलाज में लगे संस्थानों, अस्पतालों, चिकित्सकों,नर्सिंग अधिकारियों एवं अन्य हेल्थ केयर वकर्स के लिए एक उपयोगी संदर्भिका के रूप में मार्गदर्शन करने के साथ ही बेहतर कोविड–19 प्रबन्धन हेतु भी मार्गदर्शन प्रदान करेगी।

"कोविडोलॉजी साइन्सेज, इफ्रास्ट्रक्चर एण्ड मैनेजमेन्ट"

राज निर्वाण बटी के कोविड–19 के मरीजों में सुरक्षित एवं प्रभावकारी भूमिका के लिये किये गये शोध कार्यों के सफल नतीजों का राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के शोध पत्रिकाओं में प्रकाशन / प्रकाशन के लिए अग्रेशितः

(A) राज निर्वाण बटी (ए नोवल आयुर्वेदिक प्रिपरेशन) इन आर.टी.–पी.सी.आर. पॉजिटिव कोविड–19 केसस्: ऐन इन्टरवेंशनल स्टडी (कोविडोलॉजी पुस्तक पेज नम्बरः 73–83)

(B) रोल ऑफ राज निर्वाण बटी इन ट्रीटमेन्ट ऑफ कोविड–19 आर.टी.–पी.सी.आर. पॉजिटिव केसस् (कोविडोलॉजी पुस्तक पेज न0.: 91–100)

(C) राज निर्वाण क्वॉथः साइन्टिफिक इन्ग्रीडिएन्टस् एण्ड इन्हैन्समेन्ट आफॅ इम्यूनिटी टू कॉम्बैट कोविड–19 (कोविडोलॉजी पुस्तक पेज न0: 67–72)

(D) इफैक्ट ऑफ ए नोवल आयुर्वेदिक प्रिपरेशन राज निर्वाण बटी (आर.एन.बी.) ऑन सिम्टोमेटिक पेशेन्ट्स ऑफ कोविड–19 (कोविडोलॉजी पुस्तक पेज न0. 102)

(E) राज निर्वाण बटीः साइन्टिफिक इन्ग्रीडिएन्टस् एण्ड इफेक्ट ऑन कोविड–19 पेशेन्ट्स रिकवरी (कोविडोलॉजी पुस्तक पेज न0: 103)

(F) इवैल्युएशन ऑफ इफैक्ट ऑफ ऐलोवैदिक प्रिप्रेशन राज निर्वाण बटी (आर.एन.बी.) ऑन पेशेन्टस् ऑफ कोविड–19 एट ए टरशियरी हेल्थ केयर फैसेल्टी इन् रूरल सेटिंग (पेज न0.: 113–114)

कोविडोलॉजी साइन्सेज, इफ्रास्ट्रक्चर एण्ड मैनेजमेन्ट

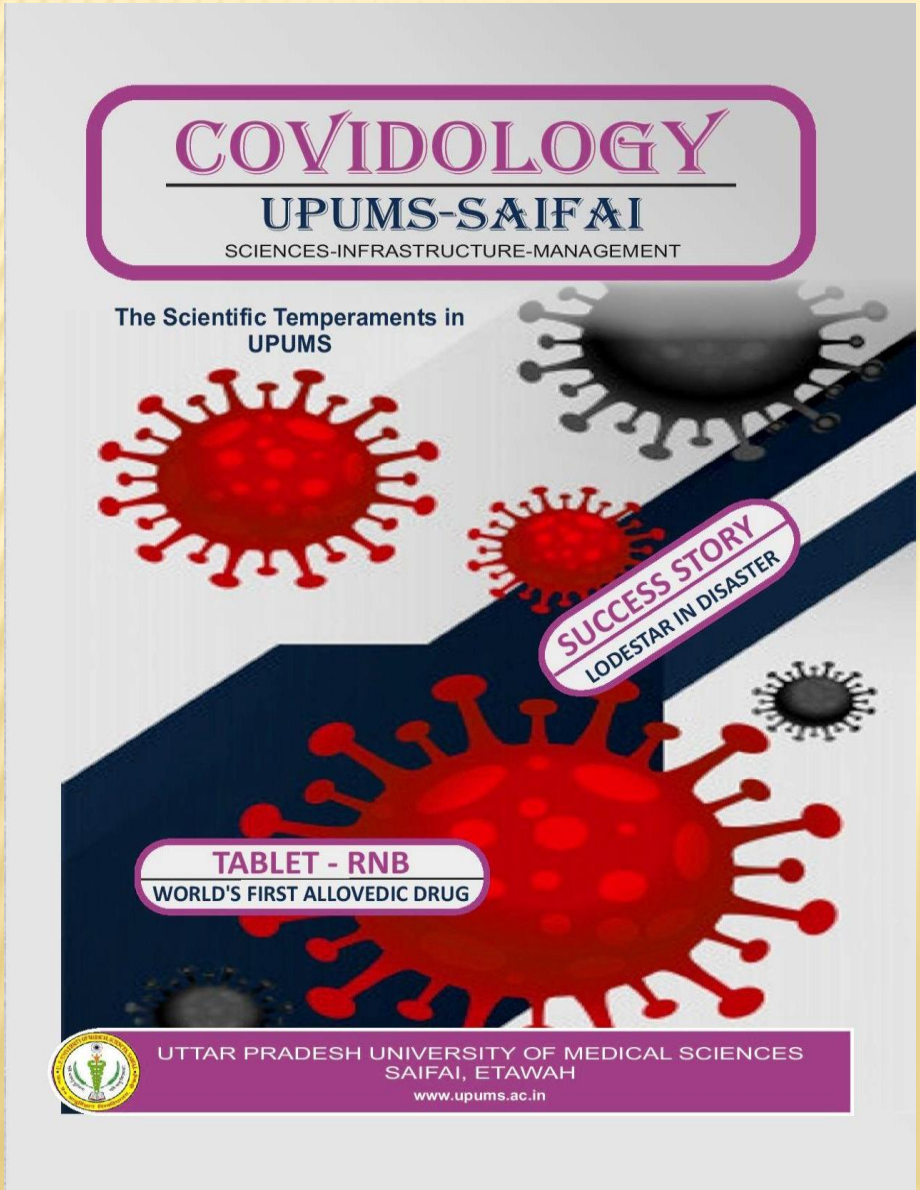

कोविडोलॉजी साइन्सेज, इफ्रास्ट्रक्चर एण्ड मैनेजमेन्ट

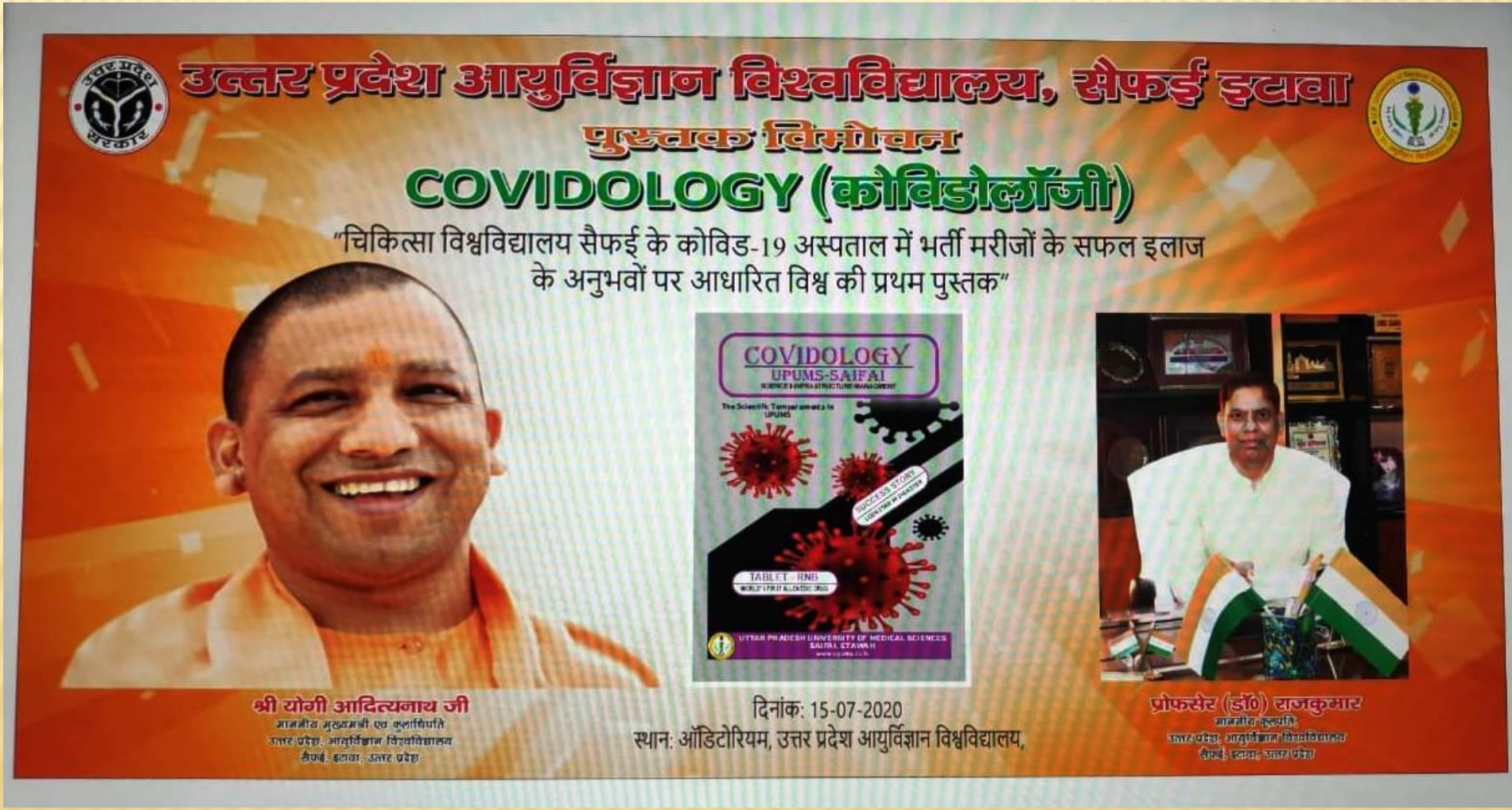

आर.एन.बी.–रेन्डमाइज्ड कन्ट्रोल ट्रायल

पॉयलट स्टडी एवं सिंगल आर्म क्लिनिकल ट्रायल के उत्साहजनक परिणामों से प्रेरित होकर विश्वविद्यालय ने साइंटिफिक रिसर्च के प्रोटोकॉलों के क्रम में इस **रेन्डमाइज्ड कन्ट्रोल ट्रायल (आर.सी.टी.)** की शुरूआत की जो व्यापक रूप से सफल रहा है **"टू डिटरमाइन दि इफीसेसी ऑफ एन आयुर्वेदिक प्रिप्रेशन, राज निर्वाण बटी (आर.एन.बी.) ऑन सिम्टोमेटिक कोविड–19 पेशेन्ट्सः ए डबल ब्लाइन्ड रेन्डमाइज्ड कन्ट्रोल ट्रायल"**

- **यह आर.सी.टी., साइन्टिफिक एविडेंस मेथोडोलॉजी में सर्वप्रथम माना जाता है।**
- यह ट्रायल समकालिक साइंन्टिफिक रिसर्च के हर मापदण्डों के अनुपालन में क्रियान्वित किया गया।
- इस आर.सी.टी. के लिये **इथिकल कमेटी क्लीयरेन्स** की मंजूरी प्रोटोकॉल के अनुसार ली गई Ref. No.1069/UPUMS/Dean(M)/Ethical/2020-21; dated 13.06.2020
- इस प्रस्तावित आर.सी.टी. के लिए **क्लीनिकल ट्रायल डिटेल्स** (Trial REF/2020/06/034434) क्लीनिकल ट्रायल रजिस्ट्री–इण्डिया को प्रस्तुत किए गए थे।
- **सी.टी.आर.आई. ट्रायल रजिस्ट्रेशन** (रजिस्ट्रेशन नम्बर सी.टी.आर.आई/2020/06/025998) दिनांक 20.06.2020 को गाइडलाईन्स के अनुसार किया गया था।

आर.एन.बी.–रेन्डमाइज्ड कन्ट्रोल ट्रायल

- इस आर.सी.टी. में कोविड–19 अस्पताल में भर्ती साधारण, मध्यम एवं गम्भीर लक्षणों वाले कुल **60 कोविड–19 संक्रमित मरीजों** को लिया गया जो 18 वर्ष से ऊपर आयु वर्ग के थे। इस ट्रायल में क्रिटिकल मरीजों को सम्मिलित नहीं किया गया क्योंकि वर्तमान में आर.एन.बी. औषधी सिर्फ टेबलेट रूप में उपलब्ध है, इन्जेक्शन के रूप में नहीं।

- इन 60 मरीजों को **दो स्टडी ग्रुपों** में विभाजित किया गया। **'आर.एन.बी. इन्टरवेंशन ग्रुप'** के मरीजों को राज निर्वाण बटी (आर.एन.बी.) दवा दी गयी तथा **'प्लेसिबो कन्ट्रोल ग्रुप'** को आर.एन.बी. नहीं दी गयी।

- इन दोनों स्टडी ग्रुपों के मरीजों को स्टैन्डर्ड ट्रीटमेन्ट प्रोटोकॉल के अन्तर्गत हाइड्रोक्सी–क्लोरोक्वीन, एन्टीबॉयोटिक्स, एन्टीकोग्युलेन्ट्स, स्टीरॉयड तथा विटमिन्स इत्यादि भी दिये गये।

आर.एन.बी.–रेन्डमाइज्ड कन्ट्रोल ट्रायल

इस आर.सी.टी. का सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण निष्कर्ष, जिनकी अध्ययन शक्ति वैश्विक मान्यता प्राप्त है निम्न हैं:

- **आर.एन.बी. ग्रुप के 97 प्रतिशत मरीज** *06 दिनों में* एवं **शत् प्रतिशत मरीज** *12 दिनों में* **आर. टी.–पी.सी.आर. निगेटिव** हो गये जबकि प्लेसिबो ग्रुप में **73 प्रतिशत** मरीज *06 दिनों* में और **90 प्रतिशत** मरीज *12 दिनों* में निगेटिव हुए।

- **आर.एन.बी. ग्रुप के मरीजों को बीमारी के 08 लक्षणों में मात्र औसतन 5.9 दिनों में आराम मिल गया।** जबकि प्लेसिबो ग्रुप के मरीजों को औसतन 7.1 दिनों में आराम मिला। **इन लक्षणों में** बुखार, कफ, गले में खराश, सॉस फूलना, छाती में भारीपन होना, थकान बदन दर्द एवं स्वाद कम होना आदि देखे गये।

- आर.एन.बी. ग्रुप के **89 प्रतिशत** मरीजों में **छाती के एक्सरे में (12 दिनों में) सुधार** देखने को मिला। जबकि प्लेसिबो ग्रुप के सिर्फ **57 प्रतिशत** मरीजों में एक्सरे में सुधार दिखा।

- आर.एन.बी. ग्रुप के मरीजों में **प्लेटलेट काउन्ट के बढ़त की दर (43 प्रतिशत** *06 दिनों* में और **80 प्रतिशत 12 दिनों** में) प्लेसिबो ग्रुप के मरीजों (28 प्रतिशत 06 दिनों में और 75 प्रतिशत 12 दिनों में) से ज्यादा पायी जो कि सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण है।

आर.एन.बी.–रेन्डमाइज्ड कन्ट्रोल ट्रायल

➢ विभिन्न अध्ययन से पता चला है कि **एल.डी.एच. के स्तर** में बढ़त बीमारी की तीव्रता के अनुपात में होता है। आर.एन.बी. ग्रुप में एल.डी.एच. में कमी की दर (18 प्रतिशत 06 दिनों में और 23 प्रतिशत 12 दिनों में) प्लेसिबो ग्रुप के मरीजों (13 प्रतिशत 06 दिनों में और 17 प्रतिशत 12 दिनों में) से ज्यादा पायी गयी जो कि महत्वपूर्ण है।

➢ इसके अलावा कई अन्य **हीमेटोलॉजीकल एवं बायोकैमिकल पैरामीटर्स** हीमोग्लोबिन, लिम्फोसाइट, यूरिया, क्रियेटीनीन, बाइलिरूबिन, कई लीवर एन्जाईम्स्, आई.एन.आर. इत्यादि इस आर.सी.टी. के दौरान सामान्य अनुपात में रहे। इससे यह **स्पष्ट होता है कि आर.एन.बी. का लीवर, किडनी, ब्लड इत्यादि पर कोई भी प्रतिकूल असर नहीं है और यह बेहद सुरक्षित औषधी है।**

आर.एन.बी.–रेन्डमाइज्ड कन्ट्रोल ट्रायल

इस सफल आर.सी.टी. और इससे पूर्व किये गये पॉयलट स्टडी एवं सिंगल आर्म ट्रायल से **साधारण, मध्यम एवं गम्भीर लक्षणों वाले कोविड–19 संक्रमित मरीजों के इलाज में आर.एन.बी. की सुरक्षित एवं प्रभावकारी भूमिका की पुष्टि हो गयी है।** इन सभी शोध कार्यों के परिणामों को आई.सी.एम.आर. एवं सेन्ट्रल काउन्सिल फार रिसर्च इन आयुर्वेदिक साइंन्सेज (सी.सी.आर.ए.एस., आयुष मंत्रालय) को अग्रसारित कर दिया गया है।

परिणामों को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित वैज्ञानिक पत्रिका "The Lancet" के प्रकाशन के लिए संकलित और अग्रेशित किया गया है।

आर.एन.बी.–उत्तराखण्ड सरकार द्वारा लाईसेन्स

- उत्तराखण्ड सरकार द्वारा 28 अगस्त 2020 को अनुदानित दवा निर्माण और बिक्री लाइसेन्स। यह (लाईसेन्स संख्या UK.AY.L-447/2020) ड्रग्स एण्ड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940, नियम–154ए, फार्म–25ई प्रपत्र के अनुसार सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्रदान किया गया है।

- यह रसायन कण्ठरोंग, श्वॉसकाश, प्रतिश्याय, क्षत्, क्षय, सोथ, बल्य, रोग प्रतिरोधक, धतूपोषक व ज्वरनाशक है।

आर.एन.बी.–उत्तराखण्ड सरकार द्वारा लाईसेन्स

- सक्षम लाईसेंसिंग अधिकारियों ने हमारे द्वारा वर्णित आर.एन.बी. के प्रत्येक घटक की सुरक्षित एवं प्रभावकारी भूमिकाओं को विधिवत् स्वीकार किया है।

- यह एलोवैदिक औषधि एक अनोखा समिश्रण है, जो कोविड–19 रोगियों के उपचार में प्रभावी है। इन सभी वैज्ञानिक अध्ययनों के परिणामों से यह सिद्ध हो गया है।

- **आर.एन.बी. इस वायरस के प्रसार को रोकने में और कोविड–19 मरीजों के इलाज में मदद्गार हो सकता है जिसमें लाखों लोगों की जान बच सकती है।**

राज निर्वाण बटी (आर.एन.बी.)

राज निर्वाण बटी के बारे में सम्पूर्ण जानकारी के लिए कृपया सम्पर्क करें:

धर्मदर्शन त्रिविद्या अनुसंधान केन्द्र (ओ.पी.सी.) प्राइवेट लिमिटेड,
ग्राम–ककनावा, पोस्ट आफिस– थानो, देहरादून,
उत्तराखण्ड - 248143, भारत

ईमेल: yoginirvandev@gmail.com

मोबाइल: 09897004551, 09997930835,
07895256227, 08979375799